Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding Medical Voluntary Retirement Scheme (MVRS) facility to labourers of New Bhopal Textile Mill.

साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर (भोपाल): अध्यक्ष महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र भोपाल की समस्या को मैं आपके सामने रखती हूँ । घटना 02 दिसंबर, 1984 की है । शासन कांग्रेस का था । कंपनी यूनियन कार्बाइड थी । उस समय बहुत बड़ी दुर्घटना, बहुत बड़ी घटना हुई । इस कंपनी का मालिक एंडरसन था । मृतकों की संख्या 33,787 है, प्रभावित लोगों की संख्या आठ लाख 58 हजार है । आंशिक प्रभावित लोग 40 हजार से अधिक है । उन्होंने बहुत पीड़ा उस समय सहन की है । तब से ले कर आज तक उनकी जो स्थिति बनी हुई है कि वे आज भी विकलांगता की स्थिति में हैं और शारीरिक रूप से कमजोर हैं, काम करने की अवस्था नहीं रहती है । उसी के तारतम्य में यह जो एंडरसन है, यह आतंकवादी के रूप में सामने आया । महोदय, मैं एक ही बात कहना चाहती हूँ कि विदेश का व्यक्ति आता है, हजारों लोगों को मारता है और लाखों लोग उससे प्रभावित होते हैं, उस पीड़ा से प्रभावित होते हैं और चालीस हजार से अधिक लोग आज आंशिक प्रभावित हैं, जो काम करने की अवस्था में नहीं हैं । महोदय, कांग्रेस का उस समय का जो शासन था, राज्य से ले कर केन्द्र तक उसको सुरक्षित विदेश में भगाया गया । इसे आतंकवाद कहते हैं । भोपाल मध्य प्रदेश की राजधानी है । ...* देश की रक्षा करने वाले कभी आतंकवादी नहीं होते हैं । ... (व्यवधान) महोदय, विषय यह है कि 34 वर्ष व्यतीत होने के बाद जन-जीवन प्रभावित है । ...(व्यवधान) महोदय, वहां के कपड़ा मिल वर्कर्स हैं, वे आज भी काम करने की अवस्था में नहीं हैं । ...(व्यवधान) बैठ जाइए । ...(व्यवधान) सुनिए, पूरी बात सुनना सीखो । ...(व्यवधान) महोदय, उस बीमारी से प्रभावित ये लोग आज काम नहीं कर पा रहे हैं और इसलिए उन लोगों ने एमवीआरएस लेने की प्रार्थना की है कि मुझे मैडिकल आधार पर वीआरएस

दिया जाए, जिससे वे अपना जीवन आराम से बिता सकें और उनके स्थान पर अच्छे मजदूर काम कर सकें । ऐसा मेरा आग्रह है । ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री गोपाल शेट्टी को साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।